

1

॥ मीन राशिया जन्म होइ तौ देव उरु पूजावंत होइ लक्ष्मी वंश होइ। अल्प
 मृत्यु वर्ष ॥ ८॥ वर्ष १३॥ वर्ष ४८॥ अल्प मृत्यु विष्णु राखे तौ जीवै वर्ष ति राशी
 ॥ ८३॥ मृत्यु माघ। मासे शुक्र पक्षे रोहिणी नक्षत्र तिथौ एक मंगल तिथौ दि
 ने मध्यवेला यां प्रायां त्यजेत् ॥ १॥ मेष राशि जो जन्म होइ ॥ श्वि ज्ञे जन्म ॥ १॥
 होइ तौ जलवंत होइ क्रोधवंत होइ भोगी होइ पुत्रवंत होइ अल्प मृत्यु वर्ष
 ॥ १॥ वर्ष १६॥ वर्ष ४४॥ वर्ष ५८॥ अल्प मृत्यु विष्णु राखे तौ जीवै वर्ष सो
 ॥ १६०॥ मृत्यु कार्तिक मासे कृष्ण पक्षे हस्त नक्षत्रे मध्यम्य मीति थोव
 धदिने ^{पुष्य} प्रहर प्रायां त्यजेत् ॥ २॥ वृष राशि जो जन्म होइ तौ शुक्र तो
 शुक्र पक्षे देव उरु पूजावंत होइ अल्प मृत्यु वर्ष ॥ १६॥ वर्ष ३३॥
 ॥ ७४॥ ६१॥ मृत्यु मघा शुक्ल पक्षे तौ जीवै वर्ष नवे ॥ ८॥ मृत्यु मा

तहोइवुचिवंतहोइकखवर्ष॥५॥वर्ष२६॥६७॥२४विष्णुशषैतौजी
 वष७५॥मृत्युचैत्रमासेप्रकृपक्षेति॥औ॥एकादशीदिनेरविवाक्यतया
 नक्षत्रेप्रथमपहरप्राशांत्यजेत॥६॥कत्याशिशिजोजन्महोइतोरुक्त
 दोनक्षानवंतहोइदुध्यामृत्यहोइ॥कखवर्ष॥४॥१६॥१८॥२६॥६३॥वि
 ष्णुशषैतौजीवेवर्ष॥१००॥मृत्युवैशाखमासेप्रकृपक्षेत्वातीतदन्त्रिपंच
 मीतिथोरुक्तवादेअर्धयानेप्राशांत्यजेत॥७॥तुलाशिशिजोजन्महोइम
 र्त्यभोगीहोइविशवासवंतहोइदशानवंतहोइतत्स्करहोइचपलहोइभित्ता
 नभोगीहोइकखवर्ष॥१५॥१६॥३१॥६४॥विष्णुशषैतौजीवेवर्ष७५॥
 मृत्युज्येष्ठमासेप्रकृपक्षेसावनक्षत्रेमगलदिनेपंचमीतिथोरुक्त
 रात्रेप्राशांत्यजेत॥वक्रिकशिशिजोजन्महोइतोरवित्रदोनदुधावंतहोइ

धमासे प्रकृपक्षे सप्रमीति। यो चित्रानक्षत्रे अर्द्धस्यासे प्राशो त्यजेत् ॥ ३ ॥ मि
 थुत अत्ययाश्रिजो जन्म होइ बुधक्षेत्र जन्म वंत्त होइ आनन्द युक्त होइ अत्य
 मृत्यु वर्ष ॥ ४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ ३८ ॥ ५८ ॥ विष्णु राखे तो जीवे वर्ष ॥ ८६ ॥ अत्यम
 त्पुश्चावया मासे प्रकृपक्षे आर्द्राक्षेत्र नक्षत्रकाद प्रीति यो गुरु दिने य
 थमप्रहस प्राशो त्यजेत् ॥ ४ ॥ कर्कशश्रिजो जन्म होइ तो रवि क्षेत्र नक्षत्र
 वंत्त होइ देवगुरु युग्म वंत्त होइ पशुद्वय वंत्त होइ ॥ कस वर्ष ॥ ५ ॥ १२५ ॥
 ४८ ॥ ६३ ॥ विष्णु राखे तो जीवे वर्ष ॥ १०० ॥ मृत्युश्चावया मासे प्रकृपक्षे
 मरुश्री नक्षत्र रवि दिने मध्यवेला यो प्राशो त्यजेत् ॥ ५ ॥ सिंह रा
 शि जन्म होइ तो मिष्ठान नक्षत्र होइ अक्षर वंत्त होइ से उच्च

धन भोगी होइ कष्ट वर्ष ११ वर्ष ३०॥ ६० विष्णु राखे तो जीवै वर्ष १००॥ मृत्यु
 माधव मासे शुक्ल पक्षे अष्टमी तिथि होइ कष्ट दिने भद्र राशि नक्षत्रे अर्ध रात्रे प्राशो
 त्यजेत ॥ ८॥ धन राशि जो जन्म होइ शनि दोन भोगी होइ सुखदा राख्यंत हो
 इ कष्ट वर्ष ॥ २॥ ११॥ १३॥ ३८॥ ४४॥ ६५॥ विष्णु राखे तो जीवै वर्ष ८१॥ मृत्यु
 वैशाख मासे शुक्ल पक्षे भद्र राशि नक्षत्रे तिथि चतुर्दशी प्रातिदिने प्राशो त्य
 जेत ॥ १०॥ मकर राशि जो जन्म होइ शनि दोन जस्यंत होइ कष्ट वर्ष ॥ ५॥
 वर्ष ३३॥ वर्ष ३६॥ ६३ विविष्णु राखे तो जीवै वर्ष ८०॥ मृत्यु माघ मासे
 शनि तिथि नक्षत्रे अष्टमी तिथि शनि दिने प्राशो त्यजेत ॥ ११॥ कुम्भ रा
 शि जो जन्म होइ तो सुखदा राख्यंत होइ अर्ध रात्रे होइ कष्ट व
 र्ष ॥ १८॥ २८॥ ३३ विष्णु राखे तो जीवै वर्ष ८०॥ मृत्यु माघ मासे शु
 क्ल पक्षे अष्टमी तिथि शनि दोन जस्यंत होइ कष्ट वर्ष ॥ १२॥ २८॥ ३३ विष्णु राखे तो जीवै वर्ष ८०॥ मृत्यु माघ मासे शु
 क्ल पक्षे अष्टमी तिथि शनि दोन जस्यंत होइ कष्ट वर्ष ॥ १२॥ २८॥ ३३ विष्णु राखे तो जीवै वर्ष ८०॥ मृत्यु माघ मासे शु

॥ श्री अथः कालज्ञानसमाप्तम् मेघलग्ननयोवानकरोद प्रियपर्वदिशा
 दीयकपर्वोदशास्त्रीप्रतीति। कुमाविका ॥१॥ विद्याप्रवर्तनीनक्षत्रप्रथ
 मचरदशोदं॥१५॥ जातकजीवितवर्ष ॥६२॥ मास ॥१॥ दिन १३ जन्मेदशो
 विनश्यति। द्वितीये चरदशोदं॥१५॥ जातकजीवितवर्ष ॥६॥ दिन ॥२॥
 अजिदज्येविनश्यति ॥ तृतीये चरदशोमध्य ॥१५॥ जातकजीवितवर्ष
 ॥१॥ अजिदज्येविनश्यति ॥ चतुर्थे चरदशोदं॥१५॥ जातकजीवित ॥८॥
 मास ॥४॥ व्यावृहत्तेविनश्यति भरणीनक्षत्रप्रथमचरदशोदं॥१५॥
 जातकजीवितवर्ष ॥८॥ मास ॥४॥ दिन ॥२०॥ श्यातहस्तेविनश्यति दि
 तीये चरदशोदं॥१५॥ जातकजीवितवर्ष ॥२५॥ वनमध्येस्ति चोदह
 स्तेविनश्यति ॥ तृतीये चरदशोदं॥१५॥ जातकजीवितवर्ष ॥१२॥ परह
 स्तेविनश्यति ॥ चतुर्थे चरदशोदं॥१५॥ जातकजीवितवर्ष ॥१२॥ प्रहस्तेवि
 स्तेविनश्यति ॥

१५॥ जीतक०॥५०॥ चौदहसेविनप्रयतिश्राद्रित
 दसचप्रथमचदशादंड॥५॥ जीतक०वर्ष॥६६॥ मास॥४॥ दिन॥२॥ गंगाती
 रेविनप्रयति द्वितीये चदशादंड॥१३॥ जीतक॥१०॥ दित१३॥ वि अत्रायु
 धेविनप्रयति अग्रेचदशादंड॥२॥ जीतकजीवतिवर्ष१५दित२१८॥ मा
 ग्रेविनप्रयति तृतीये चदशादंड॥१५॥ जीतक॥८१॥ मास११दिन॥१८॥
 ४॥ दससेविनप्रयति चतुर्थे चदशादंड॥१५॥ जीतक०वर्ष॥८९॥ मास५दि
 न॥१२॥ तीर्थगतेविनप्रयति पुनर्वसूप्रथमचदशादंड१५॥ जीतक०॥४॥
 वर्ष॥६६॥ दाताभोतासुखीपरदारनेविनप्रयति द्वितीयेदंड१५॥ जी
 तकवर्ष॥६५॥ परमदरिद्रमृत्युविनप्रयति तृतीये चदशादंड॥१५॥
 जीतकवर्ष॥८१॥ मास॥८॥ दिन॥२॥ गंगातीरेविनप्रयति चतुर्थेचदशा
 दंड॥१५॥ जीतक०वर्ष॥१२॥ मास६दिन॥१३॥ अग्रध्यातविनप्रयति॥

तं ॥ द्वितीये दंड ॥ १५ ॥ जातक जीवति वर्ष ॥ ८२ ॥ मास ॥ ८ ॥ दिन ॥ ८ ॥ गंजा
 तारा विनश्यति ॥ हिति नित्यं चरदा के फल एक ॥ कृत्तिका नक्षत्र चारिद चर
 दा के फल एक ॥ ६५ ॥ जातक जीवति वर्ष ॥ ७० ॥ वने वा राह रुस्ते विनश्यति ३ रोहि
 दा नक्षत्र प्रथम चरदा दंड ॥ ७१ ॥ जातक जीवति वर्ष ॥ ५५ ॥ विषे न विनश्यति ३
 ज्येष्ठ चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक ० ॥ ८२ ॥ मास १ ॥ दिना ॥ २१ ॥ कोष्ठ रिपु हा रि विन
 श्यति द्वितीये चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक ० ६९ ॥ मास १ ॥ दिना ॥ २१ ॥ शुद्ध रात्रे विन
 श्यति तृतीये चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक जीवति वर्ष ॥ ४५ ॥ पाषाण न र वि विनश्य
 ति चतुर्थे चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक ० ॥ ८१ ॥ दिन ॥ ७ ॥ अपमृत्यु विनश्यति
 ४ मृ जि प्राशन न प्रथम चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक जीवति वर्ष ७५ ॥ प्रा
 रुहे विनश्यति द्वितीये चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक ० वर्ष ॥ ८५ ॥ मास ॥ ५ ॥ दिन ॥ २१ ॥
 परदार ते विनश्यति तृतीये चरदा दंड ॥ १५ ॥ जातक ० वर्ष ॥ ५४ ॥ युद्ध दरो वि

प्रथम

दिन १०॥ दाता भोजनानी र्थं जने विनश्यति यर्क नक्षत्र प्रथम च दशादंड ॥ १५॥ जात
 क० ८२॥ राजा द्वारे विनश्यति द्वितीय च दशादंड ॥ १५॥ जात क० ८४॥ माहा
 संत उरा पात्रे ती र्थं जने विनश्यति चतुर्थ च दशादंड ॥ १५॥ जात क० ८५॥
 मासा १॥ दिना २॥ महासुरजी राजपूजा तिर्थं जने विनश्यति ११५ तारा न ॥ ५॥
 यत्र चोदितु च रशा क एकै फल दंड ॥ ११॥ जात क० १००॥ महासतोषी व्याधु
 हस्ते विनश्यति ॥ हस्त नक्षत्र प्रथम च दशादंड १२ जाके तं ॥ ३॥ मास ३॥ दिव
 सत्य पाते विनश्यति अग्रज च रशादंड १२ जात क० ८२॥ अहस्त च अग्रज
 ५ त्रैविनश्यति द्वितीय च दशादंड ॥ १५॥ जात क० ८०॥ मास दिन २॥ सत्या
 पाते विनश्यति तृतीय च दशादंड जात क० ८६॥ मासा १॥ दिना २१॥
 परस्त्री चात्ते विनश्यति चतुर्थ च दशादंड ॥ १२॥ जात क० ९२॥ मास
 ४॥ दाता भोजन पितृ मातृ भ्रातृ मध्ये अर्द्ध रात्रे विनश्यति अग्रज
 च दशादंड ॥ ३॥ जात क० जीवित वर्ष ६६॥ मासा १॥ दिना १॥ स्यात् न हस्त

दत्तामोक्तासत्यवादि विनश्यति ॥ ४५ ॥ जातक वर्ष ॥ ७ ॥ मास ॥ १ ॥
 दिने ॥ २१ ॥ दत्तामोक्तासत्यवादि विनश्यति ॥ चतुर्थ चरशादंड ॥ १५ ॥
 जातक ० वर्ष ॥ ५२ ॥ मास ॥ ११ ॥ दिने ॥ २१ ॥ अपमृत्युविनश्यति ॥ ५ ॥ अप्रत्ये
 क्षनक्षत्रप्रथम चरशादंड ॥ ८ ॥ जातक ० वर्ष ॥ ८ ॥ वक्ष्ये विनश्यति
 अगे चरशादंड ॥ ६ ॥ जातक ० वर्ष ॥ ८ ॥ मास ॥ सत्यवादि विनश्यति
 द्वितीय चरशादंड ॥ १५ ॥ जातक ० १०० दत्तामोक्ता अशीपान्नसत्यवा
 दीपितमाभूत भक्ता तृतीये चरशादंड ॥ १५ ॥ जातक ० ६८ ॥ मासदिने
 ॥ २ ॥ जोगनंत्रे विनश्यति ८ मन्वानक्षत्रप्रथम चरशादंड ॥ ४ ॥ जातक ० १००
 सुविषित भक्त राते विनश्यति अगे चरशादंड ११ जातक ० ५५ सुवि जंगा
 तीरे विनश्यति द्वितीये चरशादंड ३० जातक ० ८१ मास १ दिने २५ दत्तामो
 जीतं न त्परश्रितक जंगतीरे विनश्यति चतुर्थे चरशादंड १५ जातक ० ८ मास १

॥१८॥ अथ नक्षत्रप्रथमचरशाके एकैफलदंड ॥१५॥ जातकं ०॥ १॥ मास
 जायजेहादि विनश्रय अजेदंड ॥१॥ जातकं ० वर्ष ॥ ६॥ मास पसुरवदाता
 स्त्रीविषधातेविनश्रय ॥ द्वितीयदंड ॥१५॥ जातकं ० ॥ ७६॥ मास ॥ ७॥ रक्त चा
 तेविनश्रयति तृतीयचरशादंड ॥१५॥ जातकं ० ॥१५॥ मास ॥ ७॥ दिन ॥ १०॥ धर्म
 मास जायजेही जोगाती दिविनश्रयति तृतीयदंड ॥१५॥ जातकं ० ॥ मास ॥ ७॥
 दिन ॥ ७॥ तारीवापरसुखदाता भोतागुशि धर्ममाजीतनृत्यर
 शिक अर्द्धरात्रेविनश्रयति ॥ ज्येष्ठनक्षत्रप्रथमचरशादंड ॥१५॥ जातकं
 ६८॥ राजाप्रवेशी नृपतिभवति चौरहस्तेविनश्रयति तारीविधवाभ
 यति तृतीयमध्यदंड ॥ ३॥ जातकं ० ॥ ८॥ स्वल्पधातेविनश्रयति अजेदंड ॥१२
 जातकं जीव ० ॥ ८६॥ मस्तसुखभवाति त्रितीयदंड ॥ १५॥ जातकं ० ॥ पशु
 स्वधर्मात्माजीतं ८६॥ स्वराविनश्रयति चतुर्थ ० जातकं ० ॥ १७॥

विनश्यति॥१३॥चिमानक्षत्रप्रथमचरदादंड॥१५॥जात०॥८८॥दिन॥२५॥महा
 मोक्षीशुद्धराचरीअसंगहयोशुद्धरात्रेविनश्यतिद्वितीयचरदादंड॥१५॥
 जातक॥१५॥मासा८॥दिन॥१२॥दाताभोतावदुकुपुंजीरिपुहस्तोविनश्यति
 तृतीयचरदामध्यदंड॥११॥पला॥२॥जातक०॥१५॥गायजोहारिविनश्यति
 अश्वचरदादंड॥११॥पला॥४८॥जातक०॥८६॥मासा८॥दिन॥६॥चनकेकद
 लेजीयतिपरसुरयोयरहादेविनश्यतिचतुर्थचरदादंड॥१५॥जातक०
 ॥८०॥मासा१०॥दिन॥२५॥महासुखीजंगानीदेविनश्यति१६॥त्यातीनक्ष
 त्रचमरिदुचरदाकएकेफजदंड॥६०॥जातक०॥१००॥मासा८॥दिन॥८॥
 अयमत्युविनश्यतिविशाखानक्षत्रतीतिदुचरदाकएकेफजदंड॥६५॥
 जातक॥६८॥महासुखीगुरामार्थीअयमत्युविनश्यतिचतुर्थ
 चरदादंड॥१५॥जातक०॥८०॥मासा॥६॥पदतेविजंगानीदेविनश्यति